Bihar Board Class 10 Geography Solutions Chapter 1

एक परिचय प्राकृतिक आपदा :

वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.
इनमें से कौन प्राकृतिक आपदा नहीं है ?
(क) सुनामी
(ख) बाढ़
(ग) आतंकवाद
(घ) भूकंप.
उत्तर-
(ग) प्रश्न

प्रश्न 2.
इनमें से कौन मानव जनित आपदा है ?
(क) सांप्रदायिक दंगे
(ख) आतंकवाद
(ग) महामारी
(घ) उपर्युक्त सभी
उत्तर-
(क) सांप्रदायिक दंगे

प्रश्न 3.
सुनामी का प्रमुख कारण क्या है ?
(क) समुद्र में भूकंप का आना
(ख) स्थलीय क्षेत्र पर भूकंप का आना
(ग) द्वीप पर भूकंप का आना
(घ) इनमें से कोई नहीं
उत्तर-
(क) समुद्र में भूकंप का आना

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.
आपदा से आप क्या समझते हैं?
उत्तर-
प्राकृतिक व्यवस्था में जब कारणों से अकारण व्यवधान उत्पन्न होते हैं जो वे ही व्यवधान आपदा कहे जाते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 2.
आपदा कितने प्रकार का होता है?
उत्तर-
प्रकृति पर पड़नेवाले किसी भी प्रकार के विपत्ती को आपदा कहते हैं। परन्तु मुख्य रूप से आपदा दो तरह की होती हैं-
(i) प्राकृतिक आपदा तथा
(ii) मानवजनित आपदा।।

(i) प्राकृतिक आपदा- इसमें बाढ़, सुखाड़, भूकंप और सुनामी को लिया जाता है जो अति विनाशकारी हैं। इसके अतिरिक्त चक्रवात, ओलावृष्टि, हिमस्खलन, भूस्खलन जैसी घटनाएँ भी प्राकृतिक आपदा के ही अंग हैं।
(ii) मानव-जनित आपदा- इसमें मुख्य रूप से आतंकवाद और सांप्रदायिक दंगे को लिया जाता है। आतंकवाद एक देश दूसरे पर आतंकवाद का सहारा लेकर दबाव बनाता है।

जैसे-पाकिस्तान आतंकवाद के पूरे विश्व पर दबाव बनाए हुए है। दूसरा
है साम्प्रदायिक दंगा जिसमें जातिगत आधार, धर्मगत आधार आते हैं।
जैसे-देश में बराबर हिन्दू-मुस्लिम दंगे होते हैं जिसमें देश तबाह होता
है।

प्रश्न 3.
आपदा प्रबंधन की आवश्यकता क्यों है ?
उत्तर-
आपदा अपने आप में एक ऐसा शब्द है जो प्राणी जगत को दहला देता है। वह जब आती है तो प्रलय का दृश्य उपस्थित हो जाता है। इसलिए इसका प्रबंधन आवश्यक है।
आपदा से न केवल विकास कार्य अवरुद्ध हाते हैं बल्कि विकास कार्यों में कई व्यवधान उपस्थित होते हैं। यद्यपि राष्ट्रीय स्तर तथा राज्य पर आपदा प्रबंधन की व्यवस्था की गई लेकिन इससे कुद त्रुटियाँ भी हैं।
उत्तर बिहार के लोग कोशी की विनाश को अंगीकार कर लिया है और सामूहिक सहयोग से इससे बचते रहे हैं। सुखाड़ के प्रबंधन हेतु भी सामूहिक सहयोग से कुएँ की खुदाई, तालाब की खुदाई कर इससे बचने के उपाय खोजते रहे हैं। भूकंप और सुनामी के लिए भी प्रबंधन की आवश्यकता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.
प्राकृतिक आपदा एवं मानवजनित आपदा में अंतर उपयुक्त उदाहरणों के साथ प्रस्तुत करें।
उत्तर- आपदा अपने आप में एक भयंकर शब्द है जिसको बोलचाल की भाषा में 'आफत' कहते हैं। यह दो तरह के होते हैं।-() प्राकृति आपदा और (ii) मानव-जनित आपदा।

(i) प्राकृतिक आपदा- प्राकृतिक आपदा में बाढ़, सुखाड़, सुनामी, चक्रवात, ओलावृष्टि, हिमस्खलन, भूस्खलन इत्यादि के नाम लिए जा सकते हैं। इसमें पृथ्वी की गति रुक जाती है। – प्राणी जगत असहाय हो जाती है। जैसे- उत्तर बिहार में कोशी की भयानक लीला देश को दहला दिया, सुनामी 2004 ई. में आकर भारत के पूर्वी तट तथा अंडमान निकोबार द्वीप समूह में जो धन-जन की बर्बादी हुई जिसकी सही आकलन संभव नहीं है। चक्रवात, ओलावृष्टि, हिमस्खलन, भूस्खलन तो भारत के पर्वतीय क्षेत्र में आते ही रहते हैं।

https://www.evidyarthi.in/

(ii) मानव-जनित आपदा- मानव-जनित आपदा मनुष्य द्वारा रचा जाता है। इसमें आतंक और सांप्रदायिकता का सहारा लिया जाता है और असंख्य धन-जन की हानि होती है तथा लोग मारे जाते हैं।

मानव-जनित आपदा में सांप्रदायिक दंगे, अक्सर हो जाया करते हैं। इसमें एक धर्म के लोग दूसरे धर्म के लोगों में नफरत पैदा कर दंगा रूप देते हैं। जैसे-1984 ई. में भागलपुर का सांप्रदायिक दंगा विश्वप्रसिद्ध हो गया। इसमें देश की जो क्षति हुई कहा नहीं जा सकता। मानव-जनित आपदा में दूसरा नाम आतंकवाद का आता है जिसमें आतंकी अवैध हथियारों का प्रयोग कर धन-जन को हानि पहुंचाते हैं। जैसे-पाकिस्तान, आतंकवाद का सहारा लेकर भारत को तबाह किए हुए है। कश्मीर में घुसपैठ कराकर मुम्बई में हमला और 26/11 को अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेन्टर पर हमला आतंकवाद का ही उदाहरण है।

प्रश्न 2.
आपदा प्रबंधन की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए आपदा प्रबंधन की आवश्यकता अनिवार्यता का वर्णन कीजिए।
उत्तर-
आपदा कोई भी हो उसका प्रबंधन अनिवार्य है। आपदा से न केवल विकास कार्य अवरुद्ध होते हैं बल्कि विकास कार्यों में कई व्यवधान उपस्थित होते हैं। कोई भी प्रबंधन कार्य तब तक सफल नहीं हो सकता है जबतक उसमें आमलोगों की सहभागिता नहीं होती है। आमलोगों की सहभागिता तथा पंचायत की मदद से ठोस प्रशासनिक निर्णय लिए जा सकते हैं और निर्णय ही दीर्घकाल में प्रबंधन हेतु आवश्यक होते हैं। पूर्वानुमान या पूर्व जानकारी से अपने आसपास घटनेवाली किसी भी संभावित विनाश से बचा जा सकता है। – उत्तर बिहार के लोग कोशी की विनाशलीला से बचने के लिए आपसी सहयोग से बाढ़ के अनुरूप जीवन-शैली बना ली है। सुखाड़ के लिए आपसी सहयोग कुएँ को खुदाई, तालाब की खुदाई करके आपदा से बचा जा सकता है। भूकंप और सुनामी से बचने के लिए प्रबंध की आवश्यकता है जिसमें भूकंपनिरोधी भवन वृत्ताकार या बहुभुजीय आकृति के बदले आयताकार बनाये जाने चाहिए। देश में केन्द्रीय स्तर तथा राज्य स्तर पर आपदा प्रबंधन के लिए कार्य किए जा रहे हैं लेकिन इसमें अफसरशाही के चलते यह पूर्ण नहीं हो पा रहा है।

प्रश्न 3.
बिहार में बाढ़ की स्थिति की व्याख्या करें। बिहार सरकार ने इसका सामना करने के लिए कौन-कौन से प्रबंधन किए हैं ?
उत्तर-
मौनसून की अनिश्चितता के कारण बिहार के किसी-न-किसी भाग में प्रतिवर्ष बाढ़ का आगमन होता है। बिहार की कोसी बाढ़ की विभीषिका के लिए बदनाम है। उत्तरी बिहार के मैदान बाढ़ से अधिक प्रभावित हैं। उत्तरी बिहार में बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में सारण, गोपालगंज, वैशाली, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, सहरसा, खगड़िया, दरभंगा, मधुबनी इत्यादि हैं। इन क्षेत्रों में मुख्यत: घाघरा, गंडक, कमला, बागमती और कोसी नदियों से बाढ़ आती हैं। उत्तरी बिहार की नदियों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने के प्रमुख कारण हिमालय तराई के क्षेत्र में अधिक वर्षा है। एक सर्वेक्षण के अनुसार बिहार के कुल बाढ़-क्षेत्र का लगभग 64 लाख हेक्टेयर है।

बाढ़ वे प्राकृतिक आपदाएं हैं, जिनका संबंध वर्षा से है। जब मौनसूनी वर्षा अत्यधिक होती है, तो नदियों के जल-स्तर में उफान आता है और बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होती है। मौनसून की अनिश्चितता के कारण भारत के किसी-न-किसी भाग में प्रतिवर्ष बाढ़ का आगमन होता है। कुछ . नदियाँ तो बाढ़ की विभीषिका के लिए बदनाम हो चुकी हैं, जैसे कोसी। हाल के वर्षों में बाढ़ की स्थिति मानवीय स्थिति से भी उत्पन्न होने लगी हैं। बाढ़ को रोकने के लिए बाँध और तटबंध बनाये गये हैं, लेकिन नदी का बढ़ता जलस्तर जब इन्हें तोड़ देता है तो अनेक ऐसे क्षेत्र भी जल प्लावित हो जाते हैं। 2008 ई. में भारत-नेपाल की सीमा पर कुसहा के पास तटबंध के टूटने से आई भयंकर बाढ़ है।

https://www.evidyarthi.in/

सुरक्षा-संबंधी उपाय

- नदियों के किनारे तटबंध बनाना।
- बांध का निर्माण किया गया है।
- वनीकरण को प्रोत्साहित किया गया है।
- जलाशय का निर्माण किया गया है।
- सूचना-तंत्र को सुदृढ़ किया गया है आदि।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/